अंक योजना
प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 2024-25

हिंदी (ऐच्छिक)
कोड संख्या (002)
कक्षा–बारहवीं

निर्धारित समय: 03 घंटे **पूर्णांक : 80 अंक**

प्रश्न	खंड – क (अपठित बोध)	अंक
1. (क)	ii. जीवन को दाँव पर लगा देते हैं ।	1
(ख)	iii. कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।	1
(ग)	ii. स्वावलंबन	1
(घ)	गोधूलि वाली दुनिया के लोग बँधे हुए घाट का पानी पीते हैं।	1
(ङ)	साहस सभी प्रकार के गुणों में सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है क्योंकि इसके बिना किसी भी अन्य गुण का लगातार अभ्यास नहीं किया जा सकता। साहसी कभी भी परिस्थितियों से हार नहीं मानता। दुख-सुख दोनों में आगे बढ़ता रहता है।	2
(च)	ज़िंदगी की दोनों सूरतों में से दूसरी सूरत, जिसमें गरीब एवं असहाय व्यक्तियों को खुशी प्रदान करने की कोशिश की जाती है, श्रेष्ठ है। जीवन में लक्ष्य प्राप्ति के लिए हर व्यक्ति प्रयास करता है और विपरीत परिस्थितियों का मुकाबला भी करता है, परंतु गरीब लोगों के सुख-दुख को अपना समझकर उनका साथ देते हैं और जो सभी नहीं कर पाते।	2
(छ)	लेखक ने अकेले चलने वाले की तुलना सिंह से इसलिए की है क्योंकि सिंह जंगल में अकेला निडर होकर घूमता है। वह भेड़ या भैंस की तरह जून में नहीं चलता। ठीक उसी प्रकार अकेले चलने वाला व्यक्ति भी बिलकुल निडर बिलकुल बेखौफ होता है।	2
2. (क)	ii. सामने कठिनाई होना	1
(ख)	iii. थका हुआ	1
(ग)	iii. (I) और (II)	1
(घ)	कवि ने जीवन-पथ पर चलने के लिए सभी प्रकार की विपत्तियों में भी हमें हँसते-हँसते आगे बढ़ने की बात कही है। कवि कहता है कि अगर बाधाएँ आती हैं तो आएँ, भले ही चारों ओर विपत्तियों के बादल छा जाएँ, मगर हमें विचलित नहीं होना चाहिए।	1
(ङ)	कवि ने ‘परहित अर्पित अपना तन-मन’ इसलिए कहा है, क्योंकि मनुष्य का जीवन केवल स्वयं के लिए नहीं होता। परहित यानी	2

	परोपकार में ही मनुष्य को परम आनंद प्राप्त होता है। कवि अपना तन मन दूसरों की भलाई के लिए अर्पित करना चाहता है।कवि ने व्यक्ति से बढ़कर समाज एवं राष्ट्र की कल्पना की है।	
(च)	पावस यानी वर्षा ऋतु धरती को जल से परिपूर्ण कर देती है, चारों तरफ खुशियाँ बिखेरती है। किसानों से लेकर प्रकृति के तमाम उपादान हर्षित हो जाते है। उसी प्रकार मनुस्य को भी दूसरों के लिए कुछ कर गुजरने की इच्छा होनी चाहिए। हमें दूसरों की सेवा और भलाई करनी चाहिए।	2
	खंड- ख (अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक के आधार पर)	
3.(क)	• संपादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित लेखन • समाचार-पत्र की अपनी आवाज़	1
(ख)	• साफ सुथरी टंकट प्रति • पृष्ठ के अंत में कोई पंक्ति अधूरी न हो • कठिन शब्दों से बचाव • अंको (आँकड़ों/संख्याओं) का लेखन शब्दों में • डेडलाइन, संदर्भ और संक्षिप्ताक्षर का सतर्कतापूर्ण प्रयोग	2
(ग)	• फ्रीलांस पत्रकार का संबंध किसी खास अखबार से नहीं • भुगतान के आधार पर अलग-अलग वर्गों के लिए लेखन	2
4. (क)	• उलटा पिरामिड शैली समाचार लेखन की सर्वाधिक लोकप्रिय उपयोगी और बुनियादी शैली • इसमें इंट्रो, बॉडी और समापन के अनुसार क्लाइमेक्स आरंभ में	2x3=6
(ख)	• फ़ीचर लेखन का कोई निश्चित ढाँचा नहीं • आमतौर पर तथ्यों, सूचनाओं और विचारों पर आधारित कथात्मक विवरण • भाषा-सरल, रूपात्मक एवं आकर्षक • फ़ीचर में भावनाओं, विचारों का सम्यक प्रयोग	
(ग)	बीट रिपोर्टिंग में संवाददाता को उस क्षेत्र की जानकारी होना आवश्यक विशेषीकृत रिपोर्टिंग में संवाददाता को सामान्य समाचारों से आगे बढ़कर उस क्षेत्र से जुड़ी घटनाओं , मुद्दों और समस्याओं का बारीकी से विश्लेषण करना होता है। इसके कारण और प्रभाव भी बताने होते हैं।	
5.	किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में रचनात्मक लेखन - • विषयवस्तु : 3 अंक • भाषा : 1 अंक • प्रस्तुति : 1अंक	5
6. (क)	• कविता का भाव के साथ संबंध • भाव का संबंध मनुष्य से	2x3=6

	• भाव से ही संवेदना • कविता के मूल में राग तत्व तथा भाव तत्व	
(ख)	रंगमंच जैसी विद्या का सृजन मूलतः अस्वीकार के भीतर से होता है। कोई भी दो चरित्र जब आपस में मिलते हैं, तो वैचारिक टकराहट भी उत्पन्न होती है। रंगमंच की प्रस्तुति द्वारा समाज के विभिन्न मुद्दों को प्रकाशित करते हुए लोगों को जागरूक किया जा सकता है। असंतुष्टि, अस्वीकार, छटपटाहट और प्रतिरोध जैसे नकारात्मक तत्वों की जितनी ज़्यादा उपस्थिति होगी नाटक उतना ही गहरा और सशक्त साबित होगा।	
(ग)	**द्वंद्व** - मन मस्तिष्क में उठने वाला वैचारिक मंथन, किसी काम में आने वाली बाधा, दो पात्रों का आपसी मतभेद **महत्व -** • द्वंद्व द्वारा कथानक को गति प्रदान करना • द्वंद्व के कारण कहानी में रोचकता • द्वंद्व के बिंदु जितने स्पष्ट, कहानी उतनी ही सफल	
	खंड- ग (पाठ्य पुस्तकों अंतरा, अंतराल के आधार पर)	
7. (क)	iii. सृजन	1
(ख)	iv. कथन और कारण दोनों सही हैं। कारण कथन की सही व्याख्या है।	1
(ग)	iv. अधूरी क्रियात्मक शक्ति	1
(घ)	iii. झुंझलाहट	1
(ङ)	ii. कथन 1 और 2	1
8. (क)	• मानव जीवन बेहद लघु, पल के समान • क्षणभंगुरता का बोध • विराट/समष्टि से अलग होकर व्यक्ति की सार्थकता	2x2=4
(ख)	सांस्कृतिक विशेषताएँ- भारत मधुमय है। यहाँ के लोगों का व्यवहार अत्यंत मधुरतापूर्ण है।भारत अनजान लोगों तक को आश्रय प्रदान कर अपनी विशाल हृदयता का परिचय देता है।भारत के लोगों के हृदय में करुणा की भावना है तथा यह आँखों से भी प्रकट होती है।	
(ग)	• कवि को सुजान की चाह • सुजान का इंतजार, मिलन की हठ उसे लगता है कि सुजान ने उसकी मौखिक पुकार को भले ही अनुसना कर दिया हो, पर हृदय की मौन पुकार उसे अवश्य बुला लेगी	

	सुजान चाहे अपने कानों में रुई डालकर बैठी रहे, अंत में उसे कवि की पुकार सुननी ही पड़ेगी।	
9.	किसी एक काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या – • संदर्भ : 1 अंक (कवि और कविता का नाम) • प्रसंग :1 अंक (पूर्वापर संबंध) • व्याख्या :3 अंक • विशेष :1 अंक	6
10. (क)	ii. जिजीविषा	1
(ख)	i. कठिन परिस्थितियों में भी जीना सीखें।	1
(ग)	iii. कथन सही है किंतु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।	1
(घ)	ii. स्वाभिमान	1
(ङ)	i. अनवरत	1
11. (क)	• हरगोबिन असमंजस के कारण दिशाभ्रमित • बड़ी बहुरिया का संदेश माँ को ना सुना पाना • बड़ी बहुरिया के गाँव से चले जाने की कल्पना से व्यथित • इसी कारण गाँव, नदी, झोंपड़ी इत्यादि भी देखने में कठिनाई • बेहोशी की–सी स्थिति	2x2=4
(ख)	लोलुप युग में सिंगरौली की अपार खनिज संपदा छिपी नहीं रही। कोयले की खदानों और उन पर आधारित ताप विद्युत ग्रहों की एक पूरी श्रृंखला ने प्रदेश को अपने में घेर लिया। जहाँ बाहर से कोई भी व्यक्ति नहीं आता था, वहाँ केंद्रीय और राज्य सरकारों के अफ़सरों, इंजीनियरों और विशेषज्ञों की कतार लग गई। सिंगरौली की घाटी और जंगलों पर ठेकेदारों, वन अधिकारियों और अन्य लोगों का प्रकृति विनाश का आक्रमण शुरू हो गया।	
(ग)	दूसरा देवदास पाठ में गंगा तट पर बैसाखी की पूर्व संध्या पर काफी भीड़ थी। आरती में शामिल होने के लिए जन सैलाब उमड़ रहा था। स्वयंसेवक लोगों से सीढ़ियों पर बैठने की विनम्र प्रार्थना कर रहे थे। इस कार्य व्यवहार से आज के युवा वर्ग को यह संदेश मिलता है कि लोगों की भावनाओं की अपेक्षा ना करें तथा भीड़भाड़ वाले स्थान पर स्वयं संयमित रहकर शांति व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें। लोगों को कठिनाइयों से बचकर यथासंभव मदद करें।	
12.	किसी एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या– • संदर्भ : 1 अंक (पाठ और लेखक का नाम) • प्रसंग :1 अंक (पूर्वापर संबंध)	6

	• व्याख्या :3 अंक • विशेष :1 अंक	
13. (क)	तकनीकी और प्रौद्योगिकी विकास उजाड़ की अपसभ्यता बन चुका है। मालवा प्रदेश की उपजाऊ मिट्टी, वहाँ होने वाली भरपूर वर्षा, सदानीरा और कल–कल बहती नदियों की शोभाशाली स्थिति, उनके उद्गम एवं विस्तार, वहाँ के जनजीवन एवं संस्कृति का सुंदर चित्रण करते हुए लेखक ने उसकी समृद्धि को दर्शाया जो औद्योगीकरण के कारण विनाश की ओर बढ़ रही है। अपनी संस्कृति सभ्यता और उजड़ती धरती को बचाने के लिए हमें संयुक्त रूप से प्रयास करना चाहिए।	2x5=10
(ख)	नायक- सूरदास विशेषताएँ - • कर्मशीलता • दृढ़ संकल्प • त्वरित निर्णय लेने की क्षमता • सहनशीलता सहृदयता सूरदास के चरित्र से प्राप्त प्रेरणा - शिक्षार्थी मतानुसार उत्तर दें।	
(ग)	पाठ का मूल कथ्य – • ग्रामीण जीवन एवं प्राकृतिक सौंदर्य की अनूठी प्रस्तुति • ग्रामीण वनस्पतियों, वन्य जीवों एवं लोकमान्यताओं के कारण शहरों से अलग • कमल, कोइयाँ, हरसिंगार के फूलों की महक और उनके औषधीय गुणों का वर्णन	

>>>